

जीवन प्रबंधन समूह द्वारा विश्व का अनूठा अनुष्ठान
राष्ट्रीयता का बोध



महापाठ

(पंचम वर्ष-2013)

श्रीहनुमानचालीसा
सवा करोड़ भक्तों द्वारा जप

लाईव



संस्कार

हमारे हनुमान

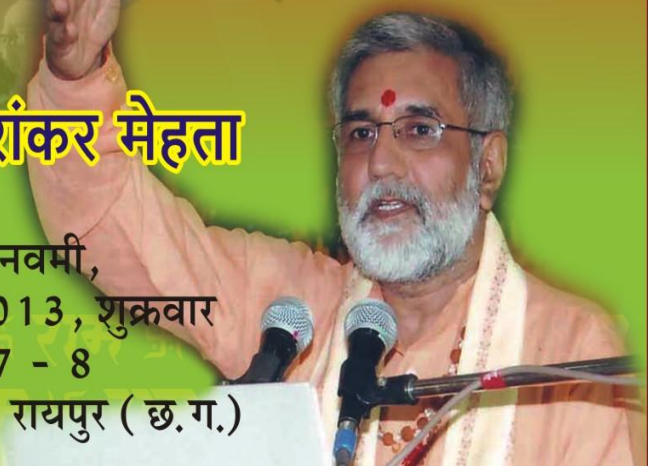


जीवन प्रबंधन समूह
Life Management Group

पं. विजयशंकर मेहता

श्रीरामनवमी,
19 अप्रैल 2013, शुक्रवार
सायं 7 - 8

मुख्य कार्यक्रम: रायपुर (छ.ग.)



जीवन प्रबंधन समूह द्वारा विश्व का अनुठा अनुष्ठान (पांचवां वर्ष)
राष्ट्रीयता का बोध जगाता हुआ 31हनुमत चरित

महापाठ एक दिन, एक समय श्रीहनुमानचालीसा के सवा करोड़ जप



लारेहनुमान

श्रीरामनवमी, 19 अप्रैल 213 शुक्रवार, सायंकाल 7 से 8 बजे

मुख्य कार्यक्रम - पुलिस ग्राऊण्ड, रायपुर (छ.ग.) में होगा।

3 अप्रैल 2009 : विषय - श्री हनुमानचालीसा और जीवन प्रबंधन

24 मार्च 2010 : विषय - श्री हनुमानचालीसा और योग (मेडिटेशन)

12 अप्रैल 2011 : विषय - श्री हनुमानचालीसा और हमारा पारिवारिक जीवन

01 अप्रैल 2012 : विषय - श्री हनुमानचालीसा और हमारा व्यावसायिक जीवन
और इस वर्ष....

शुक्रवार, 19 अप्रैल 2013 : विषय - श्री हनुमान चालीसा और राष्ट्रीयता का बोध

इस वर्ष के महापाठ में....

पिछले चार वर्षों में हर महापाठ के विषय अलग-अलग रहे हैं। इस वर्ष का विषय है - **राष्ट्रीयता का बोध**। हमारे देश ने अनेक कीर्ति स्तंभ गढ़े हैं। जब-जब हम कामयाबी का जश्न मनाते हैं एक सवाल सबके मन में खड़ा होता है - हमारे भीतर स्वाभाविक, स्वप्रेरित और सामूहिक उठसाह नजर नहीं आता। देश का शरीर स्वस्थ महसूस करता है, लेकिन मन और आठमा में भारीपन रह जाता है। कहीं न कहीं प्रतिमान अधूरे से लगते हैं। कोई एक ऐसी योति है जो सौ करोड़ लोगों के हृदय में नहीं जल पा रही है और वह है प्रखरराष्ट्रवाद की अनुभूति। तमाम विकास के बाद भी देश की चेतना राष्ट्रीय गौरव से नहीं जुड़ पाती। 31हनुमान चालीसा में अनेक ऐसे तत्व हैं जो हमारे भीतर राष्ट्रीयता का बोध जगाते हैं। यदि हम सो प्रभु-भक्ता हैं तो हमें सा राष्ट्र-भक्त भी होना होगा।

राष्ट्रीयता क्या होती है ये समझाने के लिए हमें चार बातों से गुजरना होगा - 1) धर्म 2) नैतिकता 3) भ्रष्टाचार 4) अपराध। हमें इन चार तत्वों में से दो को अपनाना है और दो को नकारना है। इस वर्ष के महापाठ में पं. विजयशंकर मेहता 31हनुमान चालीसा के माध्यम से हनुमानजी के चरित में इन चार तत्वों की व्याख्या करेंगे।

तो चलिए, हनुमानजी के स्मर ! के साथ राष्ट्र-सेवा में जुट जाएं।

आने वाले 15-20 वर्षों में जब हमारे भारत देश के पास सारी भौतिक सफलताएं होंगी, कहीं ऐसा न हो उस समय हम अपनी परिवार व्यवस्था से हाथ धो बैठें। इसीलिए जीवन प्रबंधन समूह के चार उद्देश्य स्पष्ट हैं -

1. श्री हनुमानचालीसा को लोग मंत्र के रूप में जपें और उससे मेडिटेशन करें।
2. युवाओं के लिए हनुमानजी रोल मॉडल बनें।
3. माता बहनों के जीवन में हनुमानजी उतरे ताकि उनका आत्मविश्वास बढ़े।
4. परिवार बचाओ अभियान।

आगामी महापाठ की थीम - 08 अप्रैल 2014 : हनुमानजी और हमारी संतान

28 मार्च 2015 : हनुमानजी और मातृशक्ति

15 अप्रैल 2016 : हनुमानजी रोल मॉडल के रूप में (डीन में सिंहस्थ, कुम्भ मेले के अवसर पर)

वर्ष 2012 में महापाठ के अतिरिक्त इंदौर में महाउद्योहार रक्षाबंधन के एक दिन पूर्व, जयपुर में महापर्व दशहरा के एक दिन पूर्व तथा 31 दिसंबर को कल्याण मुंबई में महाउठसब का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।

ये तीनों कार्यक्रम इस वर्ष 2013 में भी आयोजित होंगे।

हनुमानजी महाराज की कृपा और पं. विजयशंकर मेहता की प्रेरणा से 19 अप्रैल, 2013 सायंकाल 7 से 8 बजे सारे देश और दुनिया में सवा करोड़ लोग अपने-अपने स्थान में इकट्ठे होकर आस्था, संस्कार पैल के माध्यम से एक साथ श्रीहनुमानचालीसा का पाठ करेंगे और पं. मेहता का व्याख्यान सुनेंगे।

विशाल विश्व स्तरीय स्वरूप

यह कार्यक्रम भारत के प्रत्येक बड़े नगर और छोटे से छोटे गाँवों में होगा। उसी समय विदेशों में भी यही कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में प्रयास यह किया जा रहा है सवा करोड़ लोगों में से 70 लाख लोग ऐसे होना चाहिए जिनकी उम्र 10 वर्ष से 55 वर्ष के बीच हो। पिछले वर्षों में भी सवा करोड़ भक्तों का आह्वान किया गया था, इसमें प्रभु कृपा से लगभग पाँच करोड़ भक्तों ने भाग लिया। सभी को नमन, बधाई, अभिनन्दन।

यह कार्यक्रम पांचवीं बार भारत में ही नहीं बल्कि पुनः पूरे विश्व में होने जा रहा है। अमेरिका, हॉलैंड, अफ्रीका, पाकिस्तान आदि देशों से फिर स्वीकृति प्राप्त हुई है।

दुनिया के महान प्रबंधन गुरु श्री आर्जनेय का कार्यक्रम ओष्ठ प्रबंधन के साथ होना चाहिए।

कार्यक्रम की सम्पूर्ण अवधि 1 जून् की होगी। समय 7 से 8 सायंकाल। रायपुर में जो मुख्य कार्यक्रम होगा इसका सीधा प्रसारण आस्था तथा संस्कार आदि चैनलों पर किया जाएगा। इस सीधे प्रसारण से आयोजक अपने-अपने स्थान पर कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं।

पहला भाग - आरंभ में आठ मिनट में श्री हनुमानचालीसा का संगीतमय पाठ होगा।

दूसरा भाग - 45 मिनट का पं. विजयशंकर मेहता द्वारा श्रीहनुमानचालीसा और राष्ट्रीयता का बोध पर व्याख्यान

तीसरा भाग - श्री हनुमानजी की आरती।

मुख्य कार्यक्रम छठतीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सम्पन्न होगा।

आपसे अनुरोध है कि महापाठ की तैयारियों में तन, मन, धन से जुड़कर बाबा हनुमंतलालजी की सेवा करें।

शिवनारायण ॥ मूँधड़ा

विजय अग्रवाल

महापाठ - केन्द्रीय आयोजन समिति

शिवनारायण मूँधड़ा

सचिव, रायपुर

९४२५२-२७२१

मोहन पवार, रायपुर

९४२५२-७६३८

मुकेश शाह, रायपुर

९८२६१-६७६३१

ओ.पी. पसारी, इन्दौर

९८९३२-४२५८

नकुल बाहेली, इंदौर

९१७९-१७१७८

मधुसुवन गांधी, मुंबई

९८२१५-२२६५

श्रीवल्लभ लाहोटी, मुंबई

९३२२१-२१५९

मुकेश शर्मा, दिल्ली

९३५६-५५५५५

सुरेश गोयल

अध्यक्ष, रायपुर

चेयरमैन - गोयल ग्रुप ऑफ कम्पनीज

(गोयल टी.एन.टी)

जगदीश प्रसाद अग्रवाल

उपाध्यक्ष

चतुर्भुज अग्रवाल

उपाध्यक्ष

हनुमान प्रसाद अग्रवाल

उपाध्यक्ष

रवि अग्रवाल

उपाध्यक्ष

९३२९१७७

विजय अग्रवाल, रायपुर

संयोजक - केन्द्रीय कार्यक्रम

९४२५२-२९१

पुष्कर बाहेली, राजीव

९४२६-९११६१

अक्षय अमेरिया, राजीव

९८२६२-१४४९९

प्रदीप बाहेली, जबपुर

९२१४३-२२२९३

चन्द्रमोहन सारडा, जबपुर

९८२९१-१७५१

डॉ. अजय मेहता, भोपाल

९८२६-२३९९

महेन्द्र निगम, भोपाल

९४२६-१११

जे. एम. बूब, जोधपुर

९८२९-२१९९९

जरा मुस्कुराइए...

कि हम हनुमान भक्त हैं

जीवन प्रबंधन समूह, स्टेशन रोड, तेलघानी नाका के पास, रायपुर ४९२९९ (छ.ग.)

ई-मेल : shivaheal@gmail.com